इकाई 4 प्रशासनिक अनुवाद : मूलभूत अपेक्षाएँ, सामान्य भूलें और उनका समाधान

इकाई की रूपरेखा

4.0 उद्देश्य

4.1 प्रस्तावना

4.2 प्रशासनिक अनुवाद : मूलभूत अपेक्षाएँ

- 4.2.1 सरल–सहज भाषा
- 4.2.2 विविध रूढ़िबद्ध रूपों का निर्वाह
- 4.2.3 सही पर्याय प्रयोग की आवश्यकता
- 4.2.4 लक्ष्य भाषा की प्रकृति के अनुकूल वाक्य विन्यास
- 4.2.5 पारिभाषिक शब्दावली प्रयोग

4.3 प्रशासनिक अनुवाद संबंधी सामान्य भूलें और उनका समाधान

- 4.3.1 अनुवादक के बौद्धिक–मानसिक रुझान की कमी
- 4.3.2 शब्दकोश देखने का आलस्य
- 4.3.3 अतिशय आत्मविश्वास
- 4.3.4 शाब्दिक अनुवाद के कारण भूलें
- 4.3.5 भाषा की प्रकृति और मुहावरा न पकड़ पाना
- 4.3.6 शब्द एवं अर्थ–बोध संबंधी भूलें
- 4.3.7 संक्षिप्ताक्षरों का सही अर्थ न समझ पाना
- 4.3.8 संख्यांक संबंधी भूलें
- 4.3.9 प्रशासनिक प्रक्रिया की जानकारी का अभाव

4.4 सारांश

4.5 अभ्यास के लिए प्रश्न

4.0 उद्देश्य

इस इकाई को पढ़ने के बाद आप :

- प्रशासनिक अनुवाद के लिए अनुवाद से मूलभूत अपेक्षाएँ क्या होती हैं;
- प्रशासनिक अनुवाद में होने वाली सामान्य भूलों को पहचान सकेंगे;
- उन भूलों के समाधान के बारे में जानकारी हासिल कर सकेंगे; और
- अनुवाद के दौरान सावधानी बरतने से ऐसी भूलों से बच सकेंगे।

4.1 प्रस्तावना

पिछली इकाइयों में आप प्रशासन के विभिन्न क्षेत्रों में अनुवाद की विशिष्टताओं और जटिलताओं के विषय में पढ़ चुके हैं। प्रस्तुत इकाई में सबसे पहले यह बताया जा रहा है कि प्रशासनिक अनुवाद के लिए अनुवाद से मूलभूत अपेक्षाएँ क्या रहती हैं। इसके बाद इकाई में ऐसी भूलों की चर्चा की गई है जो सामान्यतया प्रशासनिक अनुवाद में

देखने को मिलती है। इससे आपको उन संदर्भों की विशेष तौर पर जानकारी मिलेगी, जो अनुवादक से भूल हो जाने का आधार होती हैं। इकाई में इन भूलों पर अनेक उदाहरणों के साथ विस्तार से चर्चा की जा रही है ताकि आपको उन अलग–अलग स्थितियों की जानकारी मिले, जो अनुवाद के द्वारा की जाने वाली गलतियों के आधार बनते हैं। आपसे यह अपेक्षा रहेगी कि उन्हें ध्यान से पढ़ें और किए गए विश्लेषण का भली प्रकार से मनन करें ताकि अनुवाद करते समय आपसे चूक न हो।

4.2 प्रशासनिक अनुवाद : मूलभूत अपेक्षाएँ

आज जनता की भाषा प्रशासन की भाषा हो रही है। पीछें मुड़कर देखें तो भारत का प्रशासन तो भारतेतर भाषाओं के माध्यम से भी चलता रहा है, पर आज की स्थिति भिन्न है। भारतीय भाषाएँ धीरे–धीरे अंग्रेजी का स्थान लेती जा रही हैं। राजभाषा के रूप में हिंदी स्थापित हो रही है। संसद और सरकारी कार्यालयों में हिंदी में कार्य होने लगे हैं। अंग्रेजी के साथ–साथ हिंदी के प्रयोग की आवश्यकता के कारण संसद और सरकारी कार्यालयों में अंग्रेजी से हिंदी प्रशासनिक और विधिक अनुवाद की आवश्यकता बढ़ रही है। भारत सरकार के विधि मंत्रालय के विधायी विभाग का राजभाषा (विधायी) खंड, गृह मंत्रालय के राजभाषा विभाग का केंद्रीय अनुवाद ब्यूरो आदि प्रशासनिक एवं विधि अनुवाद के क्षेत्र में उपयोगी एवं मानक कार्य कर रहे हैं।

संसद तथा सरकारी विभागों आदि के कार्यों में द्विभाषिक स्थिति के प्रशासनिक अनुवाद के लिए जो भाषा उपयोग में लायी जाती है – उसके संबंध में सामान्य धारणा यह होती है कि वह बिल्कुल सही अभिप्राय को व्यक्त करे, उसमें बात को सीधे ढंग से अभिव्यक्त किया जाए और वह सर्वसाधारण के लिए सुग्राह्य हो। ऐसे अनुवाद में दीर्घ वाक्य–योजना, अनावश्यक अर्थ–जटिलता, अनावश्यक मुहावरा–प्रयोग से बचा जाना चाहिए। प्रशासनिक अनुवाद की भाषा शासन और जनता से एक साथ जुड़ी रहती है, इसलिए इसमें सरलता और बोधगम्यता का होना आवश्यक है। इसी तरह, विधि से संबंधित सामग्री के संदर्भ में हमेशा यह ध्यातव्य है कि उसमें शब्दावली एवं वाक्य–विन्यास का ऐसा प्रयोग हो कि एक ही अर्थ निकल सके। अन्यथा अर्थ–विचलन होने से अनर्थ हो सकता है। साथ ही सही पर्याय का प्रयोग भी प्रशासनिक भाषा के अनुवाद के लिए आवश्यक है। इस आधार पर प्रशासनिक अनुवाद के लिए कुछ मूलभूत अपेक्षाएँ होती है, जिनकी चर्चा इकाई के इस भाग में की जा रही है।

4.2.1 सरल–सहज भाषा

साहित्यिक अथवा मानविकी या ज्ञान के साहित्य आदि विषय के अनुवाद की भाषा विषय के स्तर के अनुसार होती है। किंतु प्रशासनिक अनुवाद में यह ध्यान में रखना जरूरी है कि हमारा उद्देश्य भाषा का ज्ञान या पांडित्य दिखावा न होकर सरकार या प्रशासन के मंतव्य को सरलतम शब्दों में समझाना मात्र है। अतः यह अपेक्षित होता है कि प्रशासनिक हिंदी में प्रयुक्त शब्द सरल, स्पष्ट और सुबोध हों।

यदि भाषा में अस्पष्टता, क्लिष्टता और अप्रचलित शब्दों का प्रयोग होता है तो संदिग्ध अर्थ की गुंजाइश हो जाती है। ये संदिग्ध अर्थ प्रशासन के लिए घातक सिद्ध होकर कार्रवाई में बाधा डालते हैं। अतः प्रशासनिक हिंदी में, जहाँ तक हो सके, सरल भाषा का ही उपयोग करना चाहिए। जैसे कि 'Previous half year' का अनुवाद 'पूर्व–वर्षार्ध' न करके 'पिछला आधा वर्ष' ज्यादा उचित है। 'पूर्व वर्षार्ध' में भाषा की क्लिष्टता

दिखाई दे रही है। इसी तरह 'return to duty' के लिए 'कार्यार्थ प्रत्यागमन' न कहकर 'काम पर लौटना' का प्रयोग करना अधिक उचित है। इसी तरह 'During the year under report' का सही अनुवाद 'इस वर्ष में' होना चाहिए न कि 'रिपोर्टाधीन वर्ष के दौरान।' भाव यह है कि प्रशासन की भाषा, शैली, विन्यास एवं मुहावरा आदि सभी, मूल पाठ के आशय को अनूदित पाठ में पूरी तरह से स्पष्टता और प्रवाहमयता से व्यक्त करते हों।

4.2.2 विविध रूढ़िबद्ध रूपों का निर्वाह

कार्यालयों द्वारा भेजे जाने वाले पत्रों, अर्ध–सरकारी पत्रों, ज्ञापनों, मसौदों, कार्यालय ज्ञापनों, अनुस्मारकों आदि की अपनी–अपनी रूढ़ अभिव्यक्तियाँ तथा रचना (फॉर्मेट) होती है। अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद करते समय अनुवादक को विशुद्ध शाब्दिक अनुवाद की अपेक्षा इन रूढ़ अभिव्यक्तयों का निर्वाह करना अनिवार्य होता है क्योंकि ऐसा नहीं करने पर अनुवाद की भाव–भंगिमा खराब हो जाती है। जैसे– 'failing which' का रूढ़िबद्ध अनुवाद 'ऐसा न करने पर' है यदि कोई अनुवादक इसका अनुवाद 'में असफल रहने पर' करता है तो गलत है। इसी प्रकार के कुछ अन्य उदाहरण हैं – 'I beg to submit' (निवेदन है कि), In consultation with (से परामर्श करके), I am directed to state that' (मुझे यह सूचित करने का निदेश हुआ है कि), Smt. B is hereby informed (श्रीमती 'ख' को सूचित किया जाता है) आदि।

4.2.3 सही पर्याय प्रयोग की आवश्यकता

प्रशासनिक क्षेत्र में कुछ शब्द ऐसे होते हैं जिनका अर्थ सामान्य तथा एक–सा लगता है। साधारण बोलचाल में हम ऐसे शब्दों के लिए एक ही शब्द से काम चला सकते हैं। किंतु जब कार्यालय की औपचारिकता का ध्यान रखते हुए सरकारी प्रयोजनों के लिए उन शब्दों का प्रयोग किया जाए तो यह आवश्यक हो जाता है कि हम उसके लिए अलग–अलग शब्द प्रयोग में लाएँ। प्रशासनिक अनुवाद में उचित शब्द–चयन और सटीक पर्याय–चयन की विशेष महत्ता होती है। उदाहरण के लिए, 'Order', 'Direction', 'Instruction', 'Ordinance' और 'Command' शब्दों को लिया जा सकता है। ये पाँचों शब्द साधारण बोलचाल की भाषा में तो एक–से लगते हैं लेकिन जब इनका प्रशाासनिक अनुवाद किया जाता है तो ये पाँचों शब्द विशेष प्रयोजन–विशेष के लिए प्रयुक्त होते हैं। इसलिए इनका अनुवाद क्रमशः 'आदेश', 'निर्देश', 'अनुदेश', 'अध्यादेश' और 'समादेश' किया जाएगा।

इसी प्रकार, 'Dismissial' और 'Removal' दोनों का अर्थ नौकरी से हटाना है किंतु 'Dismissal' की सजा अधिक है और इसमें निकाले गए कर्मचारी को पुनः सरकारी नौकरी नहीं मिल सकती। इसीलिए 'Dismissal' के लिए 'बर्खास्तगी' शब्द है तो 'Removal' के लिए 'निष्कासन'। यही स्थिति 'Demotion' और 'reversion' शब्दों की भी है। 'Demotion' और 'reversion' में ऊँचे पद से निचले पद में जाना होता है। लेकिन 'Demotion' दंड के रूप में होता है जबकि 'reversion' दंड नहीं होता। यदि होता है तो इससे कर्मचारी की भावी सेवा में कोई विशेष अंतर पड़ने की संभावना नहीं होती। इसीलिए हिंदी में 'Demotion' के लिए 'पदावनति' और 'Reversion' के लिए 'प्रत्यावर्तन' शब्द रखा गया है।

हिंदी के ज्यादातर शब्द अंग्रेजी पर्याय को सभी अर्थछायाओं का द्योतक नहीं होते। इसलिए यह जरूरी नहीं है कि निर्धारित पर्याय दिए जाएँ। यदि प्रसंग विशेष में वह

ठीक नहीं बैठता तो उसका प्रयोग नहीं किया जाना चाहिए। प्रसंग विशेष में एक शब्द के भिन्न पर्याय हो सकते हैं। उदाहरण के लिए, अंग्रेजी का शब्द Section है। मंत्रालय के एक भाग के रूप में इसका अर्थ 'अनुभाग' होगा, किसी नियम के निर्धारित खंड के रूप में 'धारा' होगा और रेलवे वर्ग के रूप में 'सेक्शन' ही रहेगा। अतः प्रशासनिक अनुवाद में पर्याय की सटीकता अनिवार्य है।

4.2.4 लक्ष्य भाषा की प्रकृति के अनुकूल वाक्य विन्यास

प्रशासनिक हिंदी का प्रयोग सरकारी कामकाज के लिए होता है। सरकार अपने आप में एक व्यक्ति नहीं वरन् एक सामूहिक संस्था है। अतः सरकार का कार्य प्रत्यक्ष रूप से उसके अधिकारियों और कर्मचारियों द्वारा सामूहिक रूप से चलता है जबकि अप्रत्यक्ष रूप से सरकार ही काम करती है। इसी कारण प्रशासनिक हिंदी में सीमित वाक्य आते हैं। इसका मूल संबंध निर्वैयक्तिक होता है और कर्तृवाच्य का प्रयोग नहीं होता। जैसे :

- 'आपके अनुमोदन की प्रत्याशा में।'

  'In anticipation of your approval'.
- 'यथावश्यक कार्रवाई/ऐसी कार्रवाई जो आवश्यक समझी जाए।'

  'Such action as may be deemed necessary'.

दोनों वाक्यों को देखने पर लगता है कि अंग्रेजी और हिंदी के व्याकरणिक नियम वाक्य के लिए अलग–अलग हैं। दोनों भाषाओं के नियम अलग–अलग होने के कारण अंग्रेजी के प्रशासनिक साहित्य का हिंदी में अनुवाद करते समय अंग्रेजी वाक्यों का हिंदी में ज्यों–का–त्यों शब्दांतरण नहीं करना चाहिए, अपितु हिंदी की प्रकृति के अनुसार वाक्यों को रखना चाहिए। आवश्यकता पड़ने पर अंग्रेजी के एक वाक्य के हिंदी में एक से अधिक वाक्य बनाए जा सकते हैं तथा दूसरी ओर अंग्रेजी के एकाधिक वाक्यों को हिंदी में एक वाक्य में रखा जा सकता है। जैसे, अंग्रेजी का निम्नलिखित वाक्य देखिए :

Shri Vipul Kumar, Executive Assistant, who has directed to submit medical certificate in support of the extension of leave from 10.8.2021 to 25.8.2021 has submitted the same from the authorised Medical Attendant. The leave for 16 days is admissible to him according to his leave account which may be sanctioned.

हिंदी वाक्य संरचना : 'श्री विपुल कुमार, कार्यपालक सहायक को 10.8.2021 से 25.8.2021 तक छुट्टी बढ़ाने के बारे में चिकित्सा प्रमाणपत्र देने के लिए कहा गया था। उन्होंने प्राधिकृत डॉक्टर का चिकित्सा प्रमाण पत्र दिया है। छुट्टी लेखा के अनुसार उन्हें 16 दिन की छुट्टी दी जा सकती है। छुट्टी स्वीकृत की जाए।'

प्रशासनिक साहित्य में अंग्रेजी से हिंदी में अनुवाद करते समय शब्द–भेदों में भी अंतर हो सकता है। उदाहरण के लिए, हिंदी में 'अंदर आना मना है।' लिखना और अंग्रेजी में 'No Admission'।

यहाँ 'Admission' शब्द अंग्रेजी में संज्ञा है तो हिंदी में उसके लिए नामबोधक क्रिया (अंदर आना) का प्रयोग हुआ है। प्रशासनिक साहित्य में अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद करते समय वाक्यों का क्रम उलट–पलट भी करना पड़े तो कोई परेशानी की बात नहीं है।

जैसा कि पहले ही उल्लेख किया जा चुका है, प्रशासनिक साहित्य जन–साधारण के लिए होता है अतः उनकी भाषा में सरलता और सहजता होना अनिवार्य है, न कि व्याकरणिक समानता। अंग्रेजी से हिंदी अनुवाद करते समय भाषा में सहजता होना आवश्यक है। उदाहरण के लिए, अंग्रेजी का निम्नलिखित वाक्य और उसका हिंदी अनुवाद देखिए :

I would like to draw your personal attention to the letter written in this connection to your office and its two subsequent reminders which are lying unattended so far and request you to see that the information is supplied immediately.

हिंदी अनुवाद : 'इस विषय में आपके कार्यालय को तीन पत्र लिखे जा चुके हैं। परंतु अभी तक किसी का भी उत्तर नहीं मिला है। इसलिए आपसे यह निवेदन है कि इस मामले में व्यक्तिगत रुचि लें और आवश्यक सूचना भिजवाने की कृपा करें।'

4.2.5 पारिभाषिक शब्दावली प्रयोग

सामान्य भाषा से प्रशासन की भाषा कुछ अलग होती है। वहाँ कभी नियमों की बात होती है तो कभी फॉर्मों, प्रपत्रों, संहिताओं, विधि अथवा अधिनियमों की। कभी संविधान रूप सामने आता है। वहाँ फाइलों पर लिखी जाने वाली टिप्पणियों की भाषा होती है, प्रारूपों की भाषा होती है, ज्ञापनों, परिपत्रों, अधिसूचनाओं और विज्ञप्तियों की भाषा होती है। इन सभी के लिए कुछ विशेष शब्द रूढ़ हो जाते हैं जो निरंतर उसी क्षेत्र में प्रयोग में आते हैं। भाषा के इस विशेष स्वरूप के लिए विभिन्न संकल्पनाओं की सही एवं सटीक अभिव्यक्ति की दिशा में ही हमें विशिष्ट शब्दावली की आवश्यकता पड़ती है। यही शब्दावली 'पारिभाषिक शब्दावली' कहलाती है।

स्वतंत्रता के पश्चात हिंदी को राजभाषा के रूप में अपनाने के बाद सरकारी कामकाज हिंदी में करने के लिए अंग्रेजी के रूढ़ तथा निरंतर प्रयोग में आने वाले शब्दों के स्थान पर हिंदी के शब्दों की आवश्यकता पड़ी। इसकी पूर्ति के लिए नए प्रशासनिक और पारिभाषिक शब्दों का निर्माण हुआ। इसके लिए नव शब्द निर्माण, अंगीकरण, अनुकूलन और अनुवाद को माध्यम बनाया गया। इस क्रम में शब्दावली निर्माण के अंतर्गत प्रचलन में आ रहे प्राचीन शब्दों को भी अंग्रेजी शब्दों के पर्याय के रूप में निश्चित अर्थ देने अथवा संकल्पना की अभिव्यक्ति के लिए प्रयोग में भी लाया गया। उपसर्ग लगाकर 'अभिकर्ता', 'उपसचिव', 'अधिकरण', 'परिपत्र', 'अभिलेख' और 'संविधि' आदि शब्द बने तो प्रत्यय लगाकर 'सचिवालय', 'विधिक', 'प्रशासनिक', 'निदेशालय', 'निरीक्षणालय', 'संसदीय' जैसे शब्दों का निर्माण हुआ। इसी तरह अंग्रेजी के 'बस', 'मोटर', 'मशीन', 'परमिट', 'लाइसेंस', 'फॉर्म', 'स्कूल' जैसे शब्दों का प्रयोग ज्यों–का–त्यों होने लगा। यहाँ तक कि इनमें 'मशीनीकरण', 'लाइसेंसदार' या 'लाइसेंसशुदा', 'स्कूली', 'टिकटार्थी' जैसे संकर शब्दों का भी निर्माण हुआ जो सरकारी कामकाज में बराबर ही प्रयोग में आ रहे हैं। इसके अलावा, अनुवाद के जरिए 'cold war' के लिए 'शीत युद्ध', 'black money' के लिए 'काला धन' जैसे शब्द भी निर्मित किए गए।

4.3 प्रशासनिक अनुवाद संबंधी सामान्य भूलें और उनका समाधान

वैसे तो किसी कार्य में हो सकने वाली भूलों की संपूर्ण सूची बना पाना और उनका पूरी तरह से समाधान प्रस्तुत करके उनका पूर्णतया निराकरण कर देना लगभग

असंभव कार्य ही है क्योंकि विषय प्रसंग और भाषा में सतत् विस्तार और परिवर्तन होते रहते है जिनके चलते नई–नई भूलें होने की संभावना रहती है। फिर भी इस इकाई में ऐसी कुछ सामान्य भूलों को प्रस्तुत किया गया है जिन पर ध्यान देने में अनुवादक काफी हद तक सही अनुवाद की ओर अग्रसर हो सकता है।

विद्यार्थियों की सुविधा की दृष्टि से भूलों को कुछ वर्षों में वर्गीकृत करते हुए उनके कुछ उदाहरण यहाँ प्रस्तुत किए गए हैं। उन उदाहरणों के माध्यम से गलती को पहचानना और सुधारना सिखाया गया है। ध्यान देने की बात है कि ये उदाहरण मात्र ही हैं। ऐसे और अनेक उदाहरण हो सकते हैं जिन्हें सुधारना यथास्थिति अपेक्षित है।

4.3.1 अनुवादक के बौद्धिक–मानसिक रुझान की कमी

प्रशासनिक अनुवाद के बारे में हम जानते हैं कि यह अनुवाद व्यक्ति अपने व्यवसाय/रोजगार के दायित्वों के रूप में करता है किसी सर्जनात्मक प्रेरणा से प्रेरित होकर नहीं। किंतु अपने व्यावसायिक दायित्व के प्रति उसमें पूर्ण निष्ठा और मानसिक बौद्धिक रुझान अपेक्षित है। अनुवाद को केवल रोजी–रोटी कमाने का माध्यम समझ कर जैसे–तैसे अनुवाद का दायित्व निभाने से अनुवाद कार्य में निखार नहीं आ सकता। अनुवादक में अनुवाद कार्य के लिए रुचि और मानसिक एवं बौद्धिक रुझान होना बहुत जरूरी है। इस रुझान के साथ–साथ परिश्रम और स्वाध्याय अपेक्षित है।

अनुवादक में सामान्य ज्ञान के साथ–साथ भाषा की विभिन्न प्रयुक्तियों एवं विशिष्टताओं, शाब्दिक अर्थ और लाक्षणिक अर्थ में भेद करने की क्षमता होनी चाहिए। शब्द की आत्मा की पहचान, संदर्भ विशेष में शब्द की अर्थ निष्पत्ति करने की समझ, निर्वचन क्षमता और बौद्धिक सामर्थ्य, सहज एवं सरल अभिव्यक्ति अच्छे अनुवाद के प्रस्तुतिकरण में सहायक होते हैं। भाषा बोध सूक्ष्म होने से ही अर्थ–बोध की पकड़ आती है। लेखक के भाव–बोध की पहचान और सरल सुबोध शब्दों में अभिव्यक्ति अनुवादक के विशिष्ट गुण है। भाषा के मुहावरे की समझ होना भी बहुत जरूरी है। अनुवादक में जब तक भाषा और भाव के प्रति संवेदनशीलता नहीं होगी वह अच्छा अनुवाद नहीं कर पाएगा। भाषा की यह पहचान अपने आसपास के परिवेश के प्रति जागरूकता और उसके अध्ययन से आती है। पत्र–पत्रिकाओं और समकालीन लेखन को पढ़ने और उन पर ध्यान देने से अनुवादक का सामान्य ज्ञान काफी हद तक विकसित होता है। प्रशासन की प्रकृति, उद्देश्य, कार्य–प्रणाली एवं संबद्ध विभाग की विशेष–क्षेत्र शब्दावली से परिचय भी अनुवादक के बौद्धिक विकास में सहायक होता है। यह विकास उसके अनुवाद को संपन्न और सरस बनाता है। इस तरह अनुवाद के प्रति रुझान के मायने हैं – एक खास तरह की दिमागी तैयारी, जो हर अनुवादक को करनी चाहिए।

4.3.2 शब्दकोश देखने का आलस्य

अनुवादक में अनुवाद कार्य के प्रति उदासीनता उसे शब्दकोश के प्रति लापरवाह बनाती है। किसी शब्द का एक अर्थ/हिंदी पर्याय उसे पता है यह सोचकर वह कोश में उसके अन्य पर्याय देखने का प्रयास ही नहीं करता। परिणामस्वरूप वह संदर्भ विशेष में शब्द के उपयुक्त पर्याय का इस्तेमाल ही नहीं कर पाता। या तो वह अनुपयुक्त पर्याय इस्तेमाल कर देता है या फिर कम उपयुक्त पर्याय से काम चलाता है। हिंदी से अंग्रेजी अनुवाद के नीचे दिए गए उदाहरण को देखिए :

सद्भावना दिवस प्रतिज्ञा

मैं प्रतिज्ञा करता हूँ कि मैं जाति, धर्म, क्षेत्र और भाषा का भेदभाव किए बिना भावात्मक एकता और सद्भावना के लिए कार्य करूँगा। मैं पुनः प्रतिज्ञा करता हूँ कि मैं सभी प्रकार के मतभेद, चाहे वे व्यक्तिगत या सामूहिक हों, हिंसा का सहारा लिए बिना बातचीत और सांविधानिक माध्यमों से तय करूँगा।

SADBHAVANA DAY PLEDGE

I take the solemn pledge that I will work for the emotional oneness and harmony of all the people of India regardless of caste, creed, region, religion or language. I further pledge that I shall resolve all differences among us whether personal or group, through dialogue and constitutional means without resorting to violence.

इस अनुवाद में

1) 'प्रतिज्ञा' के लिए pledge पर्याय काफी था किंतु एक और शब्द बढ़ाया गया है और solemn pledge लिखा गया है। अंग्रेजी में solemn विशेषण होता है। यहाँ pledge से पहले solemn लिखना व्यावहारिक दृष्टि से गलत है। pledge क्रिया है अतः उससे पहले solemnly क्रिया विशेषण आना चाहिए। फिर इसका मायने होगा 'विधिवत', 'दृढ़तापूर्वक', 'सत्यतापूर्वक प्रतिज्ञा करना' जबकि हिंदी में केवल 'प्रतिज्ञा' शब्द है।

2) 'जाति, धर्म, क्षेत्र और भाषा' चार हिंदी शब्दों के लिए अनुवाद में caste, creed, region, religion or language पाँच पर्याय रखे हैं। creed or religion दोनों शब्द दे दिए हैं जबकि दो की आवश्यकता नहीं है। creed का मायने धर्ममत, धर्म सिद्धांत है और creed शब्द caste के साथ काफी प्रयुक्त होता रहा है। ऐसे में religion की आवश्यकता ही नहीं है caste-creed से 'जाति–धर्म' का आशय निकलता है। साथ ही यह अंग्रेजी कथन शैली के अनुरूप भी लगता है।

3) 'भेदभाव किए बिना' के लिए यहाँ 'regardless' शब्द रखा गया है जिसके मायने हैं 'ध्यान दिए बिना'। यह पर्याय ठीक है। इसके लिए 'without discrimination of' भी रखा जा सकता था।

4) 'भावात्मक एकता' के लिए emotional oneness लिखा गया है जो अंग्रेजी के मुहावरे के बहुत अनुकूल नहीं है। राष्ट्रीय–सामाजिक सदर्भों में oneness को बजाए 'integration' शब्द अधिक उपयुक्त होता है यथा 'national integration', 'emotional integration' क्योकि integration में जोड़ने का भाव है।

5) 'सद्भावना' के लिए 'harmony' रखा गया है जबकि harmony के मायने हैं – सामंजस्य, मेलमिलाप। यहाँ goodwill भी लिखा जा सकता है।

6) 'सामूहिक' के लिए group का प्रयोग किया गया है। group के मायने 'समूह' होता है किंतु यहाँ व्यक्ति और अनेक व्यक्तियों की भावनाओं का संदर्भ है, जिसके लिए collective शब्द का प्रयोग होना चाहिए।

7) सांविधानिक माध्यमों में 'माध्यमों' के लिए भी means की बजाए measures लिखना बेहतर होगा क्योंकि measures में 'उपाय' का अर्थ निहित होता है।

इस उदाहरण में आपने देखा कि शब्दों के बीच के बारीक अंतर को समझने की कोशिश न करने के कारण अनुवादक सही पर्याय चुनने में असफल रहा है और उसने

कामचलाऊ अनुवाद कर दिया है। किसी शब्द के अलग–अलग संदर्भों में तो अलग-अलग अर्थ होते ही हैं, जिनमें बड़ा अंतर होता है। एक ही संदर्भ में भी शब्द की भिन्न–भिन्न अर्थछायाएँ होती हैं। अनुवाद की प्रक्रिया में उन अर्थछायाओं की उपेक्षा नहीं होनी चाहिए। जब तक अनुवादक का भाव–बोध और भाषा–बोध सूक्ष्म और ग्रहणशील नहीं होगा तब तक ये अर्थछायाएँ समझ में ही नहीं आएँगी और वह कोश देखने का आलस्य करता रहेगा।

4.3.3 अतिशय आत्मविश्वास

कभी–कभी अनुवादक का अतिरिक्त आत्मविश्वास भी उसे कोश बार–बार देखने से रोकता है। उसे लगता है कि वह दोनों भाषाओं का बहुत अच्छा जानकारी है, उसे कोश देखने की क्या जरूरत है। यही वह क्षण है जब अनुवादक सबसे बड़ी गलती करता है। व्यक्ति कितना ही बड़ा विद्वान क्यों न हो जिस क्षण उसे लगने लगता है कि वह सर्वज्ञ हो गया, वही क्षण उसके पतन के आरंभ का क्षण होता है, क्योंकि दुनिया में जानने के लिए बहुत कुछ है और रहेगा। यह सृष्टि निरंतर विकासमान है; वक्त के साथ प्रकृति में नई स्थितियाँ उत्पन्न होती रहेंगी। मनुष्य निरंतर नए अनुसंधान और आविष्कार करता है। परिणामस्वरूप जीवन में सदैव ऐसा कुछ देखने–सुनने और जानने को मिलता रहता है जो पहले नहीं था और फिर यह विश्व इतना विराट है कि ऐसा बहुत कुछ है जिसे जानना हमारे लिए अभी बाकी है। ऐसी स्थिति में भाषा में भी नई से नई अभिव्यक्ति विद्यमान होती है और पनपती रहती है।

अतः अनुवादक को शब्द की शक्ति को पहचानना चाहिए। उसे शब्द को छोटा नहीं समझना चाहिए। भाषा शब्दों में निहित है और उनके प्रयोग में निहित है और शब्द प्रयोग की नई विधि नई भाषिक अभिव्यक्ति की सृष्टि करती है। अनुवाद की प्रक्रिया ने उसे शब्द की अर्थछायाओं की तलाश में सदैव प्रयत्नशील रहना चाहिए। उसे शब्द के प्रयोग के लहजे और ध्वनि का भी विशेष ध्यान देना चाहिए ताकि कही गई बात के सीधे अर्थ के अतिरिक्त उसके निहितार्थ को भी पकड़ सके। भारतीय साहित्य सिद्धांत में शब्द–शक्तियों – अभिधा, व्यंजना और लक्षणा – की चर्चा की गई है। अनुवादक को ध्यान देना चाहिए कि अभिधार्थ के अतिरिक्त लक्ष्यार्थ और व्यंजनार्थ हो सकते हैं। प्रकाशन की भाषा सामान्यतया अभिधा की ही भाषा होती है लेकिन संसदीय प्रश्नोत्तर अथवा वाद–विवाद की भाषा में मौखिक भाषा का वर्चस्व होने के कारण ध्वनि और लहजे का भी विशेष महत्व होता है। कभी–कभी लिखित सामग्री में भी ऐसे प्रयोग देखने में आते हैं। यदि अनुवादक अतिशय आत्मविश्वास के कारण इन पर ध्यान नहीं देता तो गलती होना स्वाभाविक है।

उदाहरण–1

अच्छे अनुवाद के लिए यह एक पूर्वापेक्षा है कि अनुवादक का शब्द–भंडार अत्यंत समृद्ध हो ताकि वह संदर्भ से हटकर पर्याय चयन न करे। प्रशासन में प्रायः अंग्रेजी का एक शब्द Tender प्रयोग में लाया जाता है। उदाहरण के लिए,

- Tenders are invited for a specific work.
  एक विशिष्ट कार्य के लिए निविदाएँ आमंत्रित की जाती हैं।

अनुवादक को समझ होनी चाहिए कि Tender का अर्थ सदैव निविदाएँ नहीं होता। जहाँ "Tender advice" पदबंध का प्रयोग होगा वहाँ Tender का अर्थ परामर्श/सलाह देना हो जाएगा। "Tender Resignation" के लिए 'त्यागपत्र देना' और "Tender Subject" का अनुवाद 'नाजुक विषय' सही होगा। जैसे 'The issue of Kashmir is a

tender one.' (कश्मीर का मसला एक नाजुक मसला है)। Fire Tender का अर्थ 'दमकल' या 'आग बुझाने का इंजन' और Tender Heart – 'संवेदनशील हृदय' के लिए प्रयुक्त होगा तथा "My skin has become tender after the accident" का अनुवाद होगा – 'दुर्घटना के बाद मेरी त्वचा दुखनी और संवेदनशील (Painful) हो गई है'। पदनाम के संदर्भ में इसका अर्थ 'परिचारक' होगा।

हमने देखा कि संदर्भ विशेष के अनुसार Tender शब्द के अनेक अर्थ बदलते गए। अनुवादक शब्द के सही अर्थ की पहचान पूर्वापर संबंध को ध्यान में रखकर अर्थ–बोध करेगा तो भूल की संभावना नहीं होगी।

उदाहरण–2

इसी प्रकार एक अन्य शब्द है "Process" जिसका अर्थग्रहण विषय एवं संदर्भ के अनुसार न करने पर अनुवाद संबंधी भूलें हो जाती हैं। "The application is being processed" का अनुवाद 'आवेदन पत्र पर कार्यवाही की जा रही है' होगा। परंतु "The process of payment is complicated" वाक्य होने पर process शब्द 'विधि' या 'प्रणाली' का अर्थ देगा और "Processed fish is being exported by India" होने पर "processed" संसाधित करने का अर्थ देगा और अनुवाद 'भारत संसाधित मछली का निर्यात करता है' हो जाएगा। The produce has to go through various processes. वाक्य में Process का अर्थ 'प्रक्रम' या 'प्रक्रिया' होगा और अनुवाद 'उत्पाद को विभिन्न प्रक्रमों/प्रक्रियाओं से गुजरना होता है।' हो जाएगा। इसी प्रकार, "The defaulter should be processed in the court of law" वाक्य में Process का अर्थ 'मुकदमा या अभियोग चलाना होगा'।

इस प्रकार हमने देखा कि विषय–वस्तु के संदर्भ और भाव के अनुसार अर्थ भी बदलते चले गए। अनुवाद करते समय इस ओर ध्यान देना नितांत आवश्यक है अन्यथा भूलें हो सकती हैं।

उदाहरण–3

अनुवादक के द्वारा संदर्भ को न समझ पाने और अपने अल्पज्ञान के कारण किए गए गलत एवं अटपटे अनुवाद का एक अन्य सटीक उदाहरण है :

- The interpretation, explanation and construction of the rules is enumerated in para 10.

  नियमों का निर्वचन, स्पष्टीकरण और निर्माण पैरा 10 में दिए गए हैं।

अनुवादक ने Interpretation के लिए 'निर्वचन' और Explanation के लिए 'स्पष्टीकरण' शब्दों का सही चयन करने के बावजूद Construction के लिए 'निर्माण' शब्द का प्रयोग किया जो संदर्भ के हिसाब से पूरी तरह से त्रुटिपूर्ण है। नियमों के निर्वचन, स्पष्टीकरण आदि के साथ Construction के लिए 'व्याख्या' शब्द सटीक है।

यदि अच्छे अनुवाद के कुछ गुणों (यथा भाव-ग्रहण, संप्रेषणीयता और मूलनिष्ठता) का ध्यान रखा जाता तो उपर्युक्त वाक्य में construction के लिए 'निर्माण' शब्द का प्रयोग अनुचित होने की बात अनुवादक को तुरंत स्पष्ट हो जाती और वह अपेक्षित सुधार कर लेता है।

उदाहरण–4

- The entire treatment of film on adult education was par excellence.

Treatment के विभिन्न अर्थ हैं और उन्हें समझकर सटीक अनुवाद करना बहुत आवश्यक है। फिल्म के संदर्भ में Treatment का अनुवाद अर्थ 'निरूपण' या 'प्रतिपादन' है। यहाँ 'फिल्म का उपचार' शब्दों का प्रयोग करना अज्ञान माना जाएगा। इसी प्रकार Treatment of prisoners के लिए 'कैदी सुधार' सटीक अनुवाद होगा और Treatment of leather के लिए 'चमड़ा सिझाना' सही अनुवाद होगा और Treatment of fish के लिए 'मछली संसाधित करना' सटीक अनुवाद होगा।

4.3.4 शाब्दिक अनुवाद के कारण भूलें

जब अनुवादक किसी शब्द के लिए कोश में दिए गए लक्ष्य भाषा पर्याय को ज्यों का त्यों इस्तेमाल कर देता है तो अनुवाद शाब्दिक दृष्टि से तो सही हो जाता है, किंतु लक्ष्य भाषा में न तो वह प्रयोग सही लगता है और न ही पाठक उसका सही अर्थ ग्रहण कर पाता है। आइए इसे हम कुछ उदाहरणों की सहायता से समझें।

उदाहरण–1

- There is a crying need for more funds.

यहाँ "crying" के लिए यदि अनुवादक 'और अधिक धनराशि के लिए रोकर जरूरत बताने' का भाव ग्रहण करता है जबकि crying का भावार्थ है– great and urgent। इस प्रकार सही अनुवाद होगा, 'अधिक धनराशि की तत्काल और अत्यधिक आवश्यकता है।'

उदाहरण–2

- It is necessary that direct interaction should be made with minorities.

अनुवादक ने शब्दकोश के हिसाब से interaction का अर्थ 'अन्योन्यक्रिया' चुनकर अनुवाद इस प्रकार किया – 'अल्पसंख्यकों के साथ सीधे अन्योन्यक्रिया करना आवश्यक है।' इससे वाक्य अटपटा, अभिव्यक्ति दोषपूर्ण है तथा कोई अर्थ प्रकट नहीं होता। इसका सरल एवं सही अनुवाद है – 'अल्पसंख्यकों से सीधे–सीधे बातचीत/संपर्क/ संवाद करना जरूरी है'।

उदाहरण 3

- The problem of pollution should be addressed as early as possible.

  प्रदूषण की समस्या को यथाशीघ्र संबोधित किया जाना चाहिए।

यह गलत अनुवाद है। यहाँ "Addressed" शब्द सुलझाने या समस्या का हल या निराकरण करने के अर्थ में प्रयुक्त है। अतः सही अनुवाद होगा – 'प्रदूषण की समस्या का यथाशीघ्र निराकरण किया जाना चाहिए।'

उदाहरण 4

- There is a communication gap between the senior most officer and the employees union.

  वरिष्ठतम अधिकारी और कर्मचारियों के बीच संचार–अंतर है।

अनुवादक ने communication gap का अर्थ न समझते हुए 'संचार–अंतर' समझकर गलत अनुवाद कर दिया, जबकि इसका सही अर्थ है – 'वरिष्ठतम अधिकारी और कर्मचारियों के बीच संवादहीनता की स्थिति है।' अथवा 'वरिष्ठ अधिकारी और कर्मचारी एक–दूसरे की बात ठीक से समझ नहीं पा रहे हैं।'

उदाहरण–5

- The department is not governed by these by laws.

यहाँ governed by का शाब्दिक अर्थ 'शासन' समझकर अनुवाद इस प्रकार किया गया – 'विभाग उप–विधियों द्वारा शासित नहीं है।' जबकि इसी वाक्य का सीधा अर्थ इस प्रकार है – 'इस विभाग पर ये उप–विधियाँ लागू नहीं होती।' शासन किसी व्यक्ति या दल का हो सकता है विधियाँ कभी शासन नहीं करतीं।

उदाहरण–6

- For one, the Department has not given up hope.

  एक के लिए विभाग ने आशा नहीं छोड़ी।

यह गलत शाब्दिक अनुवाद है। सही अनुवाद है – 'पहली बात तो यह है कि विभाग को अभी भी आशा है'।

4.3.5 भाषा की प्रकृति और मुहावरा न पकड़ पाना

अनुवाद में अक्सर गलतियाँ स्रोत भाषा की प्रकृति को न समझ पाने के कारण होती है। स्रोत और लक्ष्य भाषा का अपना अभिव्यक्ति का ढंग होता है जिसे उस भाषा का मुहावरा कहते हैं। (ध्यान दें कि यहाँ मुहावरा शब्द का मायने मुहावरेदार प्रयोग [idiomatic use] नहीं है।) यह मुहावरा उस भाषा के शब्दों की विशिष्ट संगति से बनता है और यह संगति ही उन शब्दों का अर्थ निर्धारित करती है। यह संगति दो या अधिक शब्दों के मेल, विभक्तियों, समुच्चयबोधकों, संबंधबोधकों के मेल से बनती है। यदि अनुवादक को स्रोत भाषा का मुहावरा भली–भाँति समझ नहीं आता तो वह बात का सही अर्थ नहीं समझ पाता। परिणामस्वरूप गलत अनुवाद कर देता है। इसी तरह, यदि वह लक्ष्य भाषा का सही मुहावरा नहीं पकड़ता तो वह निश्चय ही अनुवाद में अटपटी अभिव्यक्ति प्रस्तुत करेगा। भाषा के बहुत से प्रयोग विशिष्ट होते हैं जिनमें विपरीतार्थक शब्दों का मेल, अभिधार्थ से भिन्न ध्वनितार्थ, गहन भाषिक सूझबूझ की अपेक्षा करता है। ऐसा न होने पर अनुवाद में प्रायः नकारात्मक (negative) अर्थ को सकारात्मक समझकर भूलें हो जाती हैं या सकारात्मक को नकारात्मक समझ लिया जाता है। अंग्रेजी भाषा में कभी–कभी विपरीतार्थक शब्द प्रयुक्त किए जाते हैं, उदाहरण के तौर पर

उदाहरण–1

- Quite a few Ministries are facing cash crunch.

A few का अर्थ है – कुछ या थोड़ी–सी परंतु Quite शब्द पर यदि ध्यान दिया जाए तो वह बहुत अधिक संख्या का द्योतक है। लेकिन यहाँ दोनों के अलग–अलग अर्थ से काम नहीं चलेगा। Quite a few का मतलब होता है – बहुत से। इस प्रकार a few से पहले Quite लग जाने से अर्थ हो जाएगा – बहुत से मंत्रालयों को धन की कमी का सामना करना पड़ रहा है।

उदाहरण–2

- There can be little doubt that the successful implementation of the scheme would depend upon the department's resources.

मूल में प्रयुक्त Little का शाब्दिक अर्थ है – थोड़ा या कुछ। परंतु पूरी वाक्य रचना पर ध्यान देने से अर्थ एकदम विपरीत हो जाएगा। इसमें 'थोड़ा संदेह है' अनुवाद करने से प्रतिकूल अर्थ निकलेगा जबकि कहने का भाव निश्चयात्मक है। उक्त वाक्य का सही अनुवाद होगा– 'इसमें लेशमात्र या कोई भी संदेह नहीं कि स्कीम/योजना के कार्यान्वयन की सफलता विभाग के संसाधनों पर निर्भर करेगी।'

उदाहरण–3

- But for the pensionary benefits, he would not have received the huge lumpsum amount on his superanation.

यहाँ अनुवादक ने अंग्रेजी के But for के अर्थ से अनभिज्ञ होने के कारण पूरे वाक्य के अर्थ–ग्रहण में भूल की और उसने अनुवाद इस प्रकार किया – 'लेकिन पेंशन लाभ के लिए उसे अधिवर्षिता पर एकमुश्त राशि नहीं मिलती।' जबकि हिंदी भाषा की प्रकृति के अनुरूप इसका सही अनुवाद इस प्रकार है – 'यदि उसे पेंशन संबंधी लाभ न मिलते तो अधिवर्षिता पर उसे एक बड़ी एकमुश्त राशि प्राप्त न होती।'

उदाहरण–4

- But for his hardwork and honesty he would not have got excellent Reports.

  'लेकिन कठिन परिश्रम और ईमानदारी के लिए उसे उत्कृष्ट रिपोर्ट न मिलती।'

यह अनुवाद गलत है। सही अनुवाद है – यदि वह कठिन परिश्रम न करता और ईमानदारी न बरतता तो उसे उत्कृष्ट रिपोर्ट न मिलती।

उदाहरण–5

कभी–कभी समान उपसर्ग लगाकर बनाए गए विभिन्न शब्द अलग–अलग अर्थ देते हैं। जैसे, sufficient में in उपसर्ग लगने पर वह विपरीतार्थक हो जाता है – insufficient किंतु flammable/inflammable दोनों शब्द समानार्थी हैं और दोनों का अर्थ है– ज्वलनशील। Inflammable में in उपसर्ग लगने से अर्थ–परिवर्तन नहीं हुआ। हिंदी में 'वि' उपसर्ग लगने पर 'विसंगति', 'विगत' और 'विशेष' इसके प्रमाण हैं। विसंगति में विपरीत अर्थ हुआ है जबकि शेष दोनों में ऐसा नहीं हुआ। अनुवादक को इस प्रकार के प्रयोगों की जानकारी होना नितांत आवश्यक है।

उदाहरण–6

प्रत्यय लगने पर नया शब्द बन जाने पर भी कभी–कभी अंग्रेजी के कुछ शब्दों का विषय–विशेष के संदर्भ में वही अर्थ होता है जो बगैर प्रत्यय के था। इसकी जानकारी अनुवादक के लिए नितांत आवश्यक है जैसे Termination of Contract और Determination of Contract का एकसमान अर्थ है – संविदा समाप्त करना। यहाँ Determination का आशय 'निर्धारण' अथवा 'निश्चय दृढ़ संकल्प' आदि न होकर 'समाप्त करने' से है।

उदाहरण–7

- What to talk of providing financial assistance to the institution, the government did not even recognise it.

अनुवादक ने गलत अर्थ बोध करके इस प्रकार अनुवाद किया– 'संस्थान को आर्थिक सहायता की बात क्या की जाए सरकार ने इसे मान्यता नहीं दी है।' इस वाक्य में न तो सही अर्थ ग्रहण है और न ही उस बात पर बल दिया गया है जिस पर अंग्रेजी के वाक्य में दिया गया है। इसका सटीक अनुवाद इस प्रकार है – 'आर्थिक सहायता देना तो दूर की बात है, सरकार ने इन संस्था को मान्यता तक नहीं दी है।'

उदाहरण–8

प्रशासन के क्षेत्र में अंग्रेजी की मुहावरेदार अभिव्यक्तियों का एक उदाहरण ले सकते हैं। एक ही बात को अंग्रेजी भाषा में भिन्न-भिन्न प्रकार से अभिव्यक्त किया जाता है। जैसे,

- This department is not governed by these rules.
- This department is outside the purview of these rules.
- This department is outside the pale of these rules.

यहाँ pale शब्द का प्रयोग घेरे या सीमा या दायरे के रूप में हुआ है। इन सभी अभिव्यक्तियों का अर्थ है– 'ये नियम इस विभाग पर लागू नहीं होते।', 'विभाग, इन नियमों से शासित नहीं होता। नियमों की परिधि में नहीं आता/घेरे से बाहर है। इस प्रकार का अनुवाद पूरी तरह से पूर्णतया कृत्रिम अनुवाद ही होगा।

उदाहरण–9

- The rules came into force in 2020

इसका अर्थ है – 'लागू होगा'। लेकिन अनुवादक द्वारा मुहावरा न समझे जाने के कारण to come into force का अनुवाद इस प्रकार किया गया 'नियम वर्ष 2020 में शक्ति में आए।' यहाँ पर विचार करने ही आवश्यकता थी कि क्या कभी नियम भी व्यक्ति की भाँति शक्ति में आते हैं। यहाँ अनुवाद होना चाहिए – 'नियम वर्ष 2020 में लागू हुए।'

उदाहरण–10

- The expenditure on furniture accounts for 6% of the total expenditure.

इस वाक्य में "accounts for" वाक्यांश का अर्थ न समझकर इसका अनुवाद इस प्रकार किया गया – 'फर्नीचर पर कुल व्यय के लेखे में 6 प्रतिशत तक किया गया।' जबकि accounts के साथ for लगाने से अर्थ ही बदल जाता है। इस वाक्य का अर्थ इस प्रकार है – 'फर्नीचर पर किया गया व्यय कुल व्यय का 6 प्रतिशत है।'

उदाहरण–11

- Some of the provision of FERA have outlived their utility.

इस वाक्य में outlived their utility पदबंध का प्रयोग मुहावरे के रूप में किया गया है। परंतु अनुवादक ने outlived का सही अर्थ न समझते हुए इस प्रकार अनुवाद किया – 'फेरा के कुछ उपबंधों की उपयोगिता बहुत अधिक हो गई है।' यह अनूदित

वाक्य एकदम विपरीत अर्थ का बोध दर्शाता है। वास्तव में यहाँ 'फेरा' के उपबंधों की उपयोगिता समाप्त होने की बात कही गई है। outlive से no longer of use का भाव ध्वनित होता है। अतः सही अनुवाद होगा – 'फेरा के कुछ उपबंध अब उपयोगी नहीं रहे हैं।'

उदाहरण–12

- Pay Commission has recommended 30% cut in posts across the board.

यहाँ across the board का शाब्दिक अनुवाद 'फलक के आरपार' किया जाए तो हास्यास्पद होगा जबकि लाक्षणिक अर्थ के अनुसार ठीक अनुवाद इस प्रकार होगा – 'वेतन आयोग ने हर स्तर पर पदों में 30 प्रतिशत की कटौती की सिफारिश की है।'

उदाहरण–13

- It is difficult to fire even an incompetent person from the government job.

अल्प भाषा ज्ञान के कारण अनुवादक ने fire का अर्थ डाँटना-डपटना समझा और गलत अनुवाद इस प्रकार किया – 'सरकारी नौकरी में निकम्मे व्यक्ति को डाँटा-डपटा नहीं जा सकता।' लाक्षणिक अर्थ में fire का तात्पर्य है– 'नौकरी से हटाना'। इस आधार पर सही अनुवाद है– 'सरकारी नौकरी से अक्षम व्यक्ति को भी निकालना कठिन है।'

उदाहरण–14

- The member jumped into the well of house of parliament.

अनुवादक ने इसका हास्यास्पद अनुवाद किया – 'सदस्य सदन के कुएँ में कूद गया।' अल्प और सीमित ज्ञान एवं शाब्दिक अनुवाद का यह एक विशिष्ट उदाहरण है। 'well of the house' का एक विशिष्ट अर्थ है– 'सदन के अध्यक्ष के सामने का खाली स्थान।' यहाँ 'jumped' का अर्थ भी 'कूदना' न होकर 'खड़ा होना' है।

उदाहरण–15

Fair letter का अनुवाद 'उचित/निष्पक्ष पत्र' करना भी सामान्य ज्ञान की कमी दर्शाता है जिससे अनुवाद निरर्थक एवं हास्यास्पद बन जाता है।

भाषा का सही मुहावरा समझने के लिए व्यक्ति को दो स्तरों पर प्रयास करना चाहिए – पहला, दोनों भाषाओं के व्याकरणिक प्रयोगों को भली-भाँति लिखना-समझना; तथा दूसरा, लक्ष्य और स्रोत भाषा की विभिन्न विषयों की सामग्री को ध्यानपूर्वक एवं खूब पढ़ना तथा उसमें शब्द प्रयोग पर ध्यान देना।

4.3.6 शब्द एवं अर्थ–बोध संबंधी भूलें

कई भूलें मूल कथन का सही अर्थ न समझ पाने के कारण होती हैं। इस संदर्भ में नीचे दिए गए उदाहरण और उनमें की जाने वाली शब्द एवं अर्थ संबंधी भूलों को ध्यान से देखिए तथा समझिए। इससे आपको बेहतर अनुवाद करने में मदद मिलेगी।

उदाहरण–1

- Economic sanctions imposed by the government have been lifted.

'Sanction' का अर्थ प्रायः 'मंजूरी' समझकर अनुवाद में भूल हो जाती है। जहाँ sanction शास्ति के रूप में सरकार द्वारा लगाई जा रही है, वहाँ स्वीकृति या मंजूरी अर्थ ध्वनित नहीं हो सकता। इसका सही अर्थ इस प्रकार ध्वनित हो रहा है – 'सरकार द्वारा लगाए गए आर्थिक प्रतिबंध समाप्त कर दिए गए हैं।'

उदाहरण–2

- Reservations have been expressed in certain quarters that the scheme would not yield the desired results.

गलत अर्थ बोध और गलत शब्द चयन के कारण इसका अनुवाद इस प्रकार हुआ – 'निश्चित तिमाहियों में आरक्षणों को अभिव्यक्त किया गया है। इस स्कीम के वांछित परिणाम नहीं होंगे।' इस वाक्य में Reservation का अर्थ न तो 'आरक्षण' है और न ही certain quarters का अर्थ 'निश्चित तिमाहियाँ'। इसका सही अनुवाद इस प्रकार है – 'कुछ लोगों ने आशंका व्यक्त की है कि इस स्कीम से अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं होंगे।

उदाहरण–3

- This is a dying cadre so it should be gradually finished.

अंग्रेजी के शब्द की वर्तनी पर ध्यान न देने और अर्थ का बोध होने के कारण अनुवाद इस प्रकार किया – 'यह एक रंगाई संवर्ग है, अतः इसे क्रम से समाप्त किया जाए।' dyeing का अर्थ रंगाई है न कि dying का। यह भूल प्रशासनिक व्यवस्था की सामान्य जानकारी न होने के कारण भी हुई है। भारत सरकार में अभी तक 'रंगाई' संबंधी संवर्ग (काडर) नहीं बना है। इसलिए इस वाक्य का सरल एवं सटीक अनुवाद होगा– 'यह एक समाप्त–प्रायः संवर्ग है। अतः इसे क्रमिक रूप से खत्म कर दिया जाना चाहिए।'

उदाहरण–4

- Member of the organisation persuaded the President not to throw his hat in the ring.

अनुवादक ने 'throw his hat in the ring' का शाब्दिक अनुवाद किया – 'रिंग में टोपी न फेंके।' जबकि इस मुहावरे का प्रयोग के मायने है – Not to contest। यदि इसे ध्यान रखते हुए अनुवाद किया जाए तो वह इस प्रकार होगा – 'संगठन के सदस्यों ने अध्यक्ष को चुनाव में न उतरने के लिए राजी कर लिया।' यहाँ अनुवाद करते समय मुहावरेदार शैली का प्रयोग किया गया है, जो उचित है।

उदाहरण–5

- In a significant switch from its earlier stand the government announced reduction in the interest rate.

  'पहले के स्टैंड में महत्वपूर्ण स्विच लगाकर सरकार ने ब्याज की दरों की कटौती की घोषणा की।'

लेकिन, यह अनुवाद सही नहीं है। यहाँ अनुवादक ने "stand" और 'switch' का शाब्दिक अर्थ ग्रहण करते हुए पूरी तरह से गलत अनुवाद कर दिया है। इस वाक्य में switch का अर्थ है – परिवर्तन, बदलना; और stand का अर्थ 'बस स्टैंड' न होकर 'सिद्धांत' या 'समर्थन करना' है। अतः इसका संदर्भगत सही अनुवाद होगा – 'सरकार ने अपने पहले ने सिद्धांतों में महत्वपूर्ण परिवर्तन करते हुए ब्याज की दरों में कटौती की घोषणा की।'

उदाहरण–6

- The contractor is expected to abide by the rules and regulations till the determination of the contract.

Determination का प्रयोग सामान्य रूप से होने पर इसका अर्थ 'संकल्प', 'निर्धारण', 'अवधारण', 'निश्चय' आदि हो सकता है परंतु 'संविदा' के संदर्भ विशेष में इसका अर्थ है – 'समाप्त होना' अर्थात् 'संविदाकार से यह अपेक्षित है कि वह संविदा के समाप्त होने तक नियमों एवं विनियमों का पालन करे।'

उदाहरण–7

- It is duty of the P.A. to keep the senior officer posted regarding urgent letters.

अनुवादक को "post" शब्द के लिए 'डाक' शब्द की जानकारी थी। अतः कार्यालय पद्धति और मुहावरा समझे बिना इसका अनुवाद इस प्रकार किया गया – 'पी.ए. की यह ड्यूटी है कि वह अपने वरिष्ठ अधिकारी को डाक से भेजें।' अनुवादक सोच सकता था कि क्या अधिकारी को डाक से भिजवाया जाना है या उसे कुछ पत्र आदि भिजवाए जाने हैं या "keep the officer posted" का कुछ अन्य अर्थ भी हो सकता है। इसकी विवेचना करने का दायित्व भी अनुवादक पर ही है। इस वाक्य का सही अर्थ है – निजी सहायक का यह कर्तव्य है कि वह अपने अधिकारी को तत्काल चिह्नित पत्रों के बारे में अवगत कराए या उनकी जानकारी/सूचना दे।'

उदाहरण–8

- Little can be said about the officer's ability.

यहाँ अनुवादक Little can be said का अर्थ न समझते हुए 'थोड़ा कहा जा सकता है।' अनुवाद कर सकता है जिसमें अर्थ और भाव दोनों ही गलत हैं। यहाँ little का अर्थ 'थोड़ा' न होकर 'कुछ नहीं' है। अतः सही अर्थ है – 'अधिकारी की योग्यता के बारे में कुछ भी कहना मुश्किल है।'

4.3.7 संक्षिप्ताक्षरों का सही अर्थ न समझ पाना

अंग्रेजी भाषा में संक्षिप्ताक्षर बनाने की अत्यधिक प्रवृत्ति है। व्यक्तियों, नामों के आद्यक्षरों से तो हम सब परिचित हैं ही जिनके चलते आजकल लोगों का पूरा नाम पता ही नहीं चल पाता। व्यक्ति नामों के अलावा अंग्रेजी में स्थानों, संस्थाओं, विभागों के नामों, पदनामों तथा अन्य नामों के संक्षिप्ताक्षरों के प्रयोग का प्रचलन है। ये संक्षिप्ताक्षर रोज नए बनते रहते हैं और अनुवादक को कठिनाई में डालते रहते हैं। सही संदर्भ या विषय न जानने पर वह संक्षिप्ताक्षर का गलत अनुवाद भी कर सकता है। दूसरी ओर, यदि वह हिंदी अनुवाद में सभी संक्षिप्ताक्षरों को ले आए तो भी उपयुक्त नहीं है क्योंकि

हिंदी में संक्षिप्ताक्षरों का प्रयोग करते हुए लेखन की प्रवृत्ति ही नहीं है। राजनीतिक दलों, संस्थाओं आदि के संक्षिप्त हिंदी नामों के प्रचलन के बावजूद हिंदी में आमतौर पर पूरा शब्द लिखने का चलन है। अतः अनुवाद में संक्षिप्ताक्षर का सही रूप पहचानना और फिर उसका अनुवाद करना आवश्यक है अन्यथा भयंकर भूल होने की संभावना रहती है।

कुछ विभागों/संस्थाओं के अंग्रेजी नाम इतने अधिक प्रचलित हो चुके हैं कि हिंदी में उनका लिप्यंतरण कर दिया जाता है – जैसे सी.बी.आई., एस.एस.सी., यू.पी.एस.सी., आई.टी.बी.पी. आदि। इस प्रकार के संक्षिप्ताक्षर प्रयोग से पाठक को कोई भ्रम नहीं होता और वह उन्हें उसी अर्थ में समझता है जो उनसे अभिप्रेत है।

इसी प्रकार, अंतरराष्ट्रीय संगठनों के नामों के ऐसे संक्षिप्ताक्षर काफी प्रचलन में हैं जो लक्ष्य भाषा में ज्यों की त्यों लिखे जा सकते हैं। जैसे यू.एन.ओ., डब्ल्यू.एच.ओ.। हिंदी में इनके पूर्ण रूप मौजूद हैं परंतु इन्हें लिप्यंतरण करके लिखने से भी कोई भ्रम नहीं होगा। कुछ संक्षिप्ताक्षरों के उच्चारणपरक रूप अधिक प्रचलित है जैसे 'यूनेस्को' या 'यूनीसेफ' लिखने से बात ज्यादा समझ में आती है बजाए यू.एन.आई.सी.ई.एफ., यू.एन.ई.एस.सी.ओ. लिखने या अनूदित रूप लिखने के। इसी प्रकार हिंदी में 'दक्षेस' आदि संक्षिप्ताक्षरों के संयुक्त शब्द लिखने का भी प्रचलन है।

कुछ संक्षिप्ताक्षर ऐसे हैं जो किसी प्रदेश, स्थान या राज्य विशेष में प्रचलित हैं। जैसे डी.जे.बी. (दिल्ली जल बोर्ड), सी.पी.डब्ल्यू.डी. (केंद्रीय लोक निर्माण विभाग), डी.टी.सी. (दिल्ली परिवहन निगम), डी.डी.ए. (दिल्ली विकास प्राधिकरण) आदि। हो सकता है कि भारत के अन्य राज्यों में इन संक्षिप्ताक्षरों के बारे में अनुवादक को कोई जानकारी न हो। अतः उचित यही है कि अनूद्य सामग्री में जहाँ कहीं पहली बार संक्षिप्ताक्षर आया हो तो उसका पूरा रूप लिख दिया जाए और बाद में उसका लिप्यंतरण किया जाए।

इस संदर्भ में अनुवादक के सामने कठिनाई तब पैदा होती है जब वह संदर्भ, सामान्य ज्ञान और विवेक तीनों की ही अनदेखी करता है। उदाहरण के लिए Washington D.C. का अनुवाद 'वाशिंगटन डिप्टी कमिश्नर' करना अनुवाद में सामान्य ज्ञान की कमी को दर्शाता है। उसी प्रकार, अमेरिका में 'केलिफोर्निया' के लिए संक्षिप्त रूप C.A. भी प्रचलित है। अमेरिका के संदर्भ में केवल C.A. लिखे होने पर प्रबुद्ध अनुवादक को समझ लेना चाहिए कि यहाँ इसका अर्थ केलिफोर्निया से है। लेकिन यदि वह C.A. का पूर्ण रूप 'चार्टर्ड एकाउंटेंट' या ऐसे ही कुछ करता है तो गलती अक्षम्य है। इसके संदर्भ में समाचार–पत्र अथवा पत्रिकाओं और पुस्तकों आदि के अध्ययन से अनुवादक की जानकारी विस्तृत हो सकती है और इस प्रकार की भूल का निराकरण संभव है।

कुछ संक्षिप्ताक्षर ऐसे होते हैं जो आसानी से समझ भी नहीं आते और उनका पूरा रूप भी अनूद्य सामग्री में नहीं मिलता। ऐसे संक्षिप्ताक्षरों के संबंध में कभी-कभी अनुवादक अनुमान का सहारा लेता है। जैसे, Local Br. of Ministry of law का अनुवाद यदि 'विधि मंत्रालय का स्थानीय ब्रिगेडियर' किया जाए तो यह न तो संदर्भ के अनुसार सही है और न ही संक्षिप्ताक्षर के अनुवाद की दृष्टि से उपयुक्त है क्योंकि ब्रिगेडियर पदनाम का संक्षिप्त रूप Brig. है न कि Br.।

4.3.8 संख्यांक संबंधी भूलें

प्रशासनिक अनुवाद में अक्सर बहुत बड़ी गलती संख्याकों की दृष्टि से होती है। हिंदी की गिनती लाख, करोड़, अरब, खरब में चलती है। जबकि, अंग्रेजी की गिनती million, billion, trillion में। अंग्रेजी में लिखे 'मिलियन' को अनुवादक लिप्यंतरित कर देते हैं। ऐसा करने से अंकों की गलती तो नहीं होती लेकिन भारतीय आकलन पद्धति के पाठक को समझने में कठिनाई होती है। कुछ अनुवादक million का शाब्दिक अनुवाद 'दस लाख' लिखने की भयंकर भूल करते हैं। 25 मिलियन को 25 दस लाख लिखते हैं तो कोई सही संख्या बनती ही नहीं। सही अनुवाद की दृष्टि से उन्हें 2 करोड़ 50 लाख लिखना चाहिए। यदि million के आधार पर कोई चार्ट दिया गया हो तो और भी ध्यान रखने की जरूरत है। उदाहरण के लिए :

Project	*Year of Approval*	*Expenditure* ***(Rupees in millions)***	*Years of Completion*
Bhakhara Project	1955	**8.57**	1962
Mahanadi Project	1957	**6.09**	1965
Krishna Project	1961	**9.38**	1970

इसके अनुवाद में तीसरे कॉलम में दी गई राशि का उल्लेख करोड़ के हिसाब से किया जाए तो इस राशि को ध्यानपूर्वक अनूदित करने की जरूरत है अन्यथा इसमें दी गई दशमलव संख्या ज्यों की त्यों उतार देने से भयंकर गलती हो जाती है। ये दशमलव अंक million के हिसाब से हैं। करोड़ के हिसाब से इन्हें सही लिखने के लिए इनमें निम्नलिखित परिवर्तन करना होगा :

परियोजना	*अनुमोदन का वर्ष*	*व्यय* **रुपए (करोड़ के हिसाब से)**	*परियोजना पूरी होने का वर्ष*
भाखड़ा परियोजना	1955	**85.7**	1962
महानंदी परियोजना	1957	**60.9**	1965
कृष्णा परियोजना	1961	**93.8**	1970

Billion, Trillion आदि के अनुवाद में भी इस तरह की सावधानी अपेक्षित है। पश्चिम में इनकी अंक संख्या में भी अमेरिकी और फ्रांसीसी पद्धति में अंतर है। उसका भी ध्यान अनुवाद में रखा जाना चाहिए।

4.3.9 प्रशासनिक प्रक्रिया की जानकारी का अभाव

प्रशासनिक अनुवाद की बहुत–सी भूलें प्रशासनिक जानकारी न होने के कारण होती हैं। हर क्षेत्र की एक कार्य–पद्धति होती है जिसके बारे में जानकारी होने से उस क्षेत्र में कार्य करना और उस क्षेत्र की सामग्री को समझना आसान होता है। प्रशासनिक क्षेत्र के अनुवाद को भी प्रशासनिक प्रक्रिया की जानकारी होनी चाहिए अन्यथा वह भाषा के आशय को समझने में भूल करेगा। उदाहरण के लिए, नौकरशाही की औपचारिकता न जानने पर अनुवादक "Seen, orders may be issued." टिप्पणी का अनुवाद 'देख लिया। आदेश जारी किए जा सकते हैं।' कर देगा जबकि यह टिप्पणी आदेशात्मक है। यहाँ "Orders may be issued." के मायने हैं – 'आदेश जारी कर

दिए जाएँ।' प्रशासनिक जानकारी के अभाव में होने वाली कुछ भूलों के कुछ अन्य उदाहरण यहाँ दिए गए हैं :

उदाहरण–1

- The Superintendent has been directed to take stock of the situation.

'To take stock of the situation' एक मुहावरा है जिसका अर्थ है – स्थिति का जायजा लेना। अनुवादक इसे एक अन्य शब्द stock-taking – 'माल पड़ताल' से समझने की भूल कर सकता है जबकि यहाँ स्थिति की जाँच से तात्पर्य है। अतः सही अनुवाद होगा – 'अधीक्षक को स्थिति का जायजा लेने के निर्देश दिए गए हैं।'

उदाहरण–2

- Entries regarding retirement of bills should be effected in the register.

लेखा शब्दावली में retirement शब्द एक विशिष्ट अर्थ रखता है और जब इसका प्रयोग bill के संदर्भ में होता है तो 'भुगतान' का अर्थ – बोध देता है। अनुवादक संदर्भ एवं विषयवस्तु के अनुसार इसका सही अनुवाद इस प्रकार करेगा – 'बिलों के भुगतान संबंधी प्रविष्टियाँ रजिस्टर में की जानी चाहिए।'

उदाहरण–3

प्रशासनिक कार्यों में प्रायः 'Delivery of Goods', 'Delivery of letters' आदि अंग्रेजी के पदबंधों का प्रयोग होता है जिसके लिए सामान्य अर्थों में 'माल की सुपुर्दगी' और 'पत्रों का वितरण' पदबंधों का प्रयोग किया जाता है। परंतु जहाँ प्रयोग लाक्षणिक अर्थ में हो वहाँ 'The employee does not have the capacity to deliver the goods….' वाक्य का प्रयोग होगा तो अर्थ ही भिन्न हो जाएगा अर्थात् 'कर्मचारी में काम पूरा करने की सामर्थ्य नहीं है।' इसी प्रकार, To deliver a speech का अर्थ 'भाषण देना' होगा, न कि 'भाषण का वितरण'।

उदाहरण–4

- Senior executives are entitled for some entertainment allowance.

Entertainment allowance का अनुवाद प्रायः 'मनोरंजन भत्ता' कर दिया जाता है। यह वह भत्ता है जो वरिष्ठ कार्यपालकों को सरकारी कार्य से उनसे मिलने के लिए आने वाले अतिथियों के सत्कार के लिए किया जाता है। अतः इसका सही अनुवाद होगा – 'वरिष्ठ कार्यपालक 'सत्कार भत्ते' के रूप में कुछ राशि प्राप्त करने के हकदार हैं।'

आइए अब कुछ अभ्यास करें।

अभ्यास–1

नीचे कुछ वाक्य और उनके दो–दो अनुवाद दिए गए हैं। बताइए कौन–सा अनुवाद सही है और क्यों?

1. I am afraid, I can not agree with you here.

   (क) मुझे डर है, मैं इस बात से सहमत नहीं हो सकता।

   (ख) मैं इस बात से सहमत नहीं हो सकता/सकती।

(यहाँ अंग्रेजी वाक्य 'I am afraid' को 'सहमत नहीं होने' से उत्पन्न संकोच और हिचकिचाहट के कारण' कहा जा रहा है। हिंदी लेखन पद्धति में इस प्रकार नहीं लिखा जाता। हिंदी में साफ तौर पर कहा जा रहा है, 'इस बात से मैं आपसे सहमत नहीं हो सकता'। 'I am afraid' के आशय की कोई भी बात हिंदी के दृष्टिकोण से फालतू (superfluous) है।)

.....

.....

.....

2. I wonder if this is true. I am inclined to agree with him.

क) मुझे इसकी सच्चाई में संदेह है। मैं उससे सहमत हूँ।

ख) मुझे ताज्जुब है इसकी सच्चाई पर, मैं उससे सहमति की ओर प्रवृत्त हूँ।

.....

.....

.....

3. Now it is high time to take a decision in this matter.

क) अब इस मामले में निर्णय लेने का समय आ ही गया है।

ख) अब इस मामले में निर्णय लेने का उच्च समय है।

.....

.....

.....

4. Divisional Manager may kindly see for favour of necessary order.

क) मंडल प्रबंधक कृपया आवश्यक आदेश की कृपा के लिए देखें।

ख) मंडल प्रबंधक कृपया आवश्यक आदेश के लिए देखें।

.....

.....

.....

अभ्यास–1 के उत्तर :

1) ख 2) ख 3) क 4) ख

अभ्यास–2

नीचे दिए गए अंग्रेजी गद्यांश और उसके हिंदी अनुवाद को पढ़िए। मूल को अनुवाद से मिलाइए। देखिए अनुवाद में कहाँ, किस तरह की गलती हुई है और उसे किस प्रकार सुधारा जा सकता है।

With the assistance of Helekar's Defensive Driving Consultancy, Indian Oil conducted a training at Wadala Terminal for TT drivers both from Indian Oil and of TT contracts. The training was on Safety Habits.

Till date three such courses have been completed covering 100 tank truck drivers. Two more such courses will be held shortly.

Maharashtra is the first state in India which has introduced certain regulations for Transportation of Hazardous Goods and Chemicals by Road Transport. Since large number of tankers and vehicles have to carry dangerous hazardous substances, it becomes necessary to take special precautions to avoid loss of life and property.

The State Transport Authority attached some additional permit and also authorised the Transport Commissioner of Maharashtra State to introduce certain labels and other information to be displayed on the vehicle. Only by displaying the labels and other information about dangerous goods which are being carried, the problem will not be solved unless the driver of the vehicle is aware of his duties and responsibilities.

Such courses for drivers have been designed to educate them about defensive driving, fire fighting, first aid, vehicle accessories, classification of different chemicals, documentation, emergency handling, effects of liquids and drugs, etc.

हिंदी अनुवाद : हेलेकर्स डिफेंसिव ड्राइविंग कंसलटैंसी की सहायता से इंडियन ऑयल ने वडाला टर्मिनल में इंडियन ऑयल तथा टी.टी. ठेकेदारों दोनों के टी.टी. ड्राइवरों के लिए एक प्रशिक्षण संचालित किया। यह प्रशिक्षण सुरक्षा आदतों पर था।

आज की तारीख तक ऐसे तीन पाठ्यक्रम पूर्ण हुए हैं, जिसमें 100 टैंक ट्रक ड्राइवरों ने भाग लिया। दो और पाठ्यक्रम शीघ्र ही संचालित किए जाएँगे।

महाराष्ट्र भारत में प्रथम राज्य है जिसने सड़क परिवहन के द्वारा खतरनाक माल तथा रसायनों के परिवहन के लिए कुछ नियम लागू किए हैं। चूँकि भारी संख्या में टैंकरों और वाहनों को खतरनाक पदार्थों का परिवहन करना पड़ता है, अतः जान–माल की क्षति को टालने के लिए विशेष सतर्कताएँ बरतना आवश्यक हो गया है।

राज्य परिवहन प्राधिकरण ने कुछ अतिरिक्त परमिट जारी किए हैं और महाराष्ट्र परिवहन आयुक्त को अधिकार दिया है कि वह वाहनों पर दर्शाए जाने के लिए कुछ लेबल और अन्य सूचना लागू करें। केवल लेबल और खतरनाक माल के बारे में यह सूचना दर्शाने से समस्या का समाधान तब तक नहीं होगा, जब तक वाहन के ड्राइवर को उसके कर्तव्यों और जिम्मेदारियों का अहसास न हो।

ड्राइवरों के लिए ऐसे पाठ्यक्रमों को रक्षात्मक ड्राइविंग, अग्निशमन, प्राथमिक उपचार, वाहनों के पुर्जों, विभिन्न रसायनों के वर्गीकरण प्रलेखन, आपात स्थिति की संभाल, तरल पदार्थों और दवाओं के प्रभाव के बारे में उन्हें शिक्षित करने के उद्देश्य से तैयार किए जाते हैं।

4.4 सारांश

प्रस्तुत इकाई में आपने पढ़ा कि प्रशासनिक सामग्री का अनुवाद करते समय अनुवादक से कुछ मूलभूत अपेक्षाएँ की जाती हैं कि वह भाषा प्रयोग में पाठ के संदर्भ के महत्व को समझता है। इसके अलावा, आपने यह भी जाना कि प्रशासनिक अनुवाद संबंधी

अधिकांश भूलें अनुवादक के रुझान अथवा ज्ञान की कमी अथवा अति–उत्साह या आलस्य के कारण होती हैं। इन भूलों पर ध्यान देकर और इनके कारणों को समझकर आप इन भूलों से बचने का प्रयास कर सकते हैं। महत्व मूलतः आपकी जागरूकता और सावधानी का है। जितना आप इन्हें अपनाएँगे उतना ही अच्छा अनुवाद कर सकेंगे। इकाई में दिए गए उदाहरणों और अभ्यासों से आपको अनेक बातें स्पष्ट हो गई होंगी।

4.5 अभ्यास के लिए प्रश्न

1. प्रशासनिक अनुवाद के लिए मूलभूत अपेक्षाएँ कौन–सी हैं? सोदाहरण चर्चा कीजिए।
2. प्रशासनिक अनुवाद में पारिभाषिक शब्दावली प्रयोग पर एक विस्तृत टिप्पणी लिखिए।
3. प्रशासनिक अनुवाद में प्रशासनिक प्रक्रिया की जानकारी की अपेक्षा पर प्रकाश डालिए।
4. प्रशासनिक अनुवाद में संक्षिप्ताक्षरों के सही अर्थ को न समझ पाने की समस्या का विवेचन कीजिए।
5. प्रशासनिक अनुवाद में संख्यांक संबंधी भूलों और उनके समाधान का सोदाहरण वर्णन कीजिए।

ignou
THE PEOPLE'S
UNIVERSITY